सफलता की कहानी

बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सहकारिता आधारित श्वेत क्रान्ति – दूध उत्पादकों ने किया रू 35 करोड़ का दूध विक्रय

बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज अंतर्गत एम.पी.स्टेट को–ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन द्वारा टीकमगढ़, दतिया, दमोह, पन्ना, छतरपुर एवं सागर जिले में कियान्वित की जा रही बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना से ग्रामीण दूध व्यवसाय की ओर आकर्षित हुए है एवं दूध उत्पादन से वर्ष भर निरंतर पर्याप्त आय प्राप्त कर रहे है। बुन्देलखण्ड परियोजना के 6 जिलों के 561 गाँवों में दुग्ध सहकारी समितियां गठित की गई है। दुग्ध समिति गठन होने से ग्रामवासियों को उनके गाँव में ही यथोचित मूल्य पर दूध विक्रय की सुविधा प्राप्त हुई है एवं इन समितियों से जुड़े हुए 17661 दूध उत्पादकों द्वारा वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 30000 लीटर दूध विक्रय किया जा रहा है तथा इन्हें दूध विक्रय से जनवरी 2013 तक समग्र रूप से रू 34.95 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है।

दूध उत्पादकों को दूध व्यवसाय एवं पशुपालन की आधुनिक तकनीकी की जानकारी प्रदाय करने हेतु प्रत्येक गाँव से 2 व्यक्तियों को दूध समिति संचालन एवं पशुपालन हेतु प्रशिक्षित किया गया है। दुग्ध समितियों में दूध की गुणवत्ता जांच तथा भुगतान की पारदर्शिता हेतु इन समितियों में आधुनिकतम इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी स्थापित किए गए है। समितियों में कृत्रिम गर्भाधान की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई। दूध उत्पादकों को आधुनिक पशुपालन, प्रबंधन प्रशिक्षण, हरा चारा उत्पादन, चॉफ कटर आदि की तकनीकी सुविधा भी उपलब्ध कराने से क्षेत्र के कृषक दूध व्यवसाय के प्रति आकर्षित हुए है।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र में दुग्ध शीतलीकरण हेतु 10 बल्क मिल्क कूलर की स्थापना की गई है तथा सागर जिले में प्रति दिन 20000 लीटर दूध प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग हेतु डेयरी संयंत्र की भी स्थापना की गई है जिससे क्षेत्र के शहरी उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता का दूध प्राप्त हो रहा है।
बुन्देलखण्ड क्षेत्र कृषि की दृष्टि से पिछडा माना जाता रहा है एवं ग्रामीणों में आय के साधन बहुत ही सीमित होने से क्षेत्र के ग्रामीण बाहर पलायन कर जाते थे, डेयरी गतिविधियां प्रारंभ होने से ग्राम में ही रोजगार के तथा वर्ष भर निरंतर आय के साधन उपलब्ध हुए है।

....